# QUARTERLY REPORT <br> OF THE <br> EUROFEAN DIVISION <br> OF THE <br> GENERAL CONFERENCE OF S. D. A. 

## SECOND QUARTER, 1912. <br> 

NOL. 1. NO. 2.

Issued by
THE EUROPEAN IVISION OF THE GENERAL CONFERENCE, Grindelberg 15a, Hamburg.

| Name of Conference or Mission. |  |  |  |  |  | $\begin{array}{r} 6 \\ 6 \\ 8 \\ 8 \\ z \end{array}$ | 戠 |  |  | $\begin{aligned} & \text { rig } \\ & \text { 世 } \\ & \text { H } \\ & \text { O } \\ & \text { H } \end{aligned}$ |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1. East German Union. | 3 | 1 |  | 4 | 6 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 2. East Gexman Union District. | 3 |  | 11 |  | 18 | 12 | 1889 | 7 | 158 |  | 1447 | 60 | 3 |  | 3 5 |
| 3. Od.r Conference................ | 2 | 4 | 2 |  | 8 | 7 | 319 | 10 | 119 |  | 468 | 18 | 1 |  | 5 |
| 4 East Prussian Conference... | 3 | 5 | 1 | 1 | 10 | 11 | 319 | 87 | 651 | 1 | 1031 | 80 | 4 |  | 61 |
| 5. Sason Conference .............. | 4. | 3 | 11 |  | 18 | 12 | 67 | 16 | 273 | 5 | 985 | 51 | 5 |  | 29 |
| 6 . Silesian is | 3 | 1 | 8 |  | 12 | 8 | \% 40 | 16 | 407 | 10 | 757 | 47 | 1 |  | 33 |
| 7. Warta " | 2 | 1 | 5 |  | 8 | 11 | 20 | 13 | 265 | 17 | 482 | 38 | 1 |  | 27 |
| 8 Visiula ${ }^{\text {a }}$ | 3 | 2 | 3 |  | 8 | 4 | 14 | 17 | 292 | 11 | 417 | 16 | 2 |  | 21 |
| 9. Transylvanian Conf. rence... | 2 | 2 | 1 |  | 5 | 3 | 7 | 24 | 497 | 6 | 600 | 77 | 7 |  | 83 |
| 10. Middle Hungarian . ${ }^{\text {a }}$ | 2 | 2 | 5 |  | 9 | 16 | $4{ }^{4}$ |  |  |  | 412 | 19 | 5 |  | 6 |
| 11. North "\% Mission... | 1 | 1 | 4 |  | 6 | 4 | 3 |  |  |  | 45 | 9 | 2 |  | 11 |
| 12. West "' | 1 | 3 | 1 |  | 5 | 1 | 3 |  |  |  | 224 |  |  |  |  |
| 13. Theiss-Save Mission ........ . | 2 | 3 | 4 |  | 9 |  |  | 14 | 160 |  | 160 | 20 | 1. |  | 22 |
| 14. Adriatic " .......... | 1 |  | 3 |  | 4 |  |  | 3 | 15 |  | 15 | 4 | $\frac{1}{5}$ |  | 5 |
| 15. Bulgarian | 1 |  | 1 |  | 2 |  |  | 4 | 21 | 13 | 34 | 1 | 5 |  | 3 |
| 16. Eumanian | 3 | 3 |  | 1 | 7 | 5 | 20 | 3 | 84 |  | 887 | 38 |  |  | 31 |
| 17. East Galician |  | 2 | 1 | 1 | 4 |  |  | 2 | 9 |  | 9 |  |  |  | 2 |
| 18 West " | 1 | 1 | 2 |  | 4 |  |  | 8 | 9 |  | 9 |  | 1 |  | 2 |
| Totals. | 35 | 38 | 63 | 7 | 143 | 94 | 410 | 159 | 2960 | 63 | 7130 | 473 | 39 |  | 344 |
| 19. West German Un | 2 | 1 | 2 | 2 | 7 |  |  |  |  |  |  |  |  | 5 |  |
| 20. West German Union Dis.... | 2 | 8 | 6 |  | 11 | 7 | 504 | 8 | 207 | 3 | 719 | 45 | 4 |  | 48 |
| 21. Westphalian Conference ... | 5 |  | 5 |  | 10 | 6 | $20{ }^{2}$ | 13 | 197 | 2 | 404 | 16 | 1 |  | 14 |
| 22. Hessian " | 2 | 1 | 5 |  | 8 | 3 | 317 | 8. | 59 | 5 | 381 | 22 |  |  | 25 |
| 23. Miadle Graman ". ... | 4 | 5 | 7 |  | 16 | 7 | 315 | 29 | 459 | 17 | 771 | 40 | 5 |  | 39 |
| 24, Lower Rhenish " | 2 | 5 | 6 |  | 13 | 8 | 674 | 15 | 315 | 8 | 992 | 56 | 6 |  | 66 |
| 25, U yer .. '.. | 2 | 3 | 6 |  | 11 | 10 | 365 | 3 | 28 |  | 393 | 26 | 4 |  | 9 |
| 26. North German " | 3 | 2 | 5 |  | 10 | 8 | 315 | 15 | 267 | 7 | 589 | 36 | 1 |  | 33 |
| 27. South ". 4 ... | 6 |  | 8 |  | 14 | 3 | 129 | 19 | 447 | 15 | 591 | 16 | 2 |  | -28 |
| 28. Wurtemburg "* ... | 2 | 1 | 3 |  | 6 | 3 |  | 17 | 229 | 5 | 436 | 39 | 1 |  | 43 |
| 29. Bayarian " ... | 3 | 2 | 6 |  | 11 | 2 |  | 12 | 406 | 24 | 512 | 17 |  |  | 2 |
| 30. German-Swiss " ... | 3 | 4 | 3 |  | 10 | 4 |  | 16 | 241 | 27 | 638 | 23 | 2 |  | 3 |
| 31. Austrian Mission ............. | 2 | 5 | 6 |  | 13 |  |  | 13 | 171 | 17 | 188 | 33 |  |  | 30 |
| 32. Moravian-Silesian Mission. | 1 | 1 | 2 |  | 4 |  |  | 13 | 211 | 5 | 216 | 27 |  |  | 25 |
| 33. Bohemian Mission | 1 |  | 2 | 1 | 4 |  |  | 8 | 125 | 12 | 137 | 3 8 8 | 1 |  | - 5 |
| 34. Holland "، | $\frac{2}{1}$ | 3 | 4 | 2 | 118 | 2 |  | 8 6 | 140 109 | 6 | 231 | 8 <br> 4 | 1 |  | -4 |
| 35. Belgian " |  |  |  |  |  |  |  | 6 |  |  |  | 4 |  |  | 7 |
| Totals. | 43 | 39 | 80 | 5 | 167 | 63 | 3563 | 201 | 3581 | 148 | 7302 | 411 | 32 | 5 | 815 |
| 36. Eussian Union. | 1 |  |  | 4 2 | 5 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 97. Russian Unon Distriot ...... |  | $\frac{1}{8}$ | $\frac{1}{5}$ | 2 | 9 | 11 | 453 |  |  |  | 350 | 41 | 7 |  | 38 |
| 38. Newa Conference ...... ........ | 1 | 8 | 4 |  | 5 | $\stackrel{1}{9}$ | 324 |  |  |  | 322 | 13 |  |  | 11 |
| 40. Nurth Caucastan Con......... | 2 | 1 | 2 | 1 | 6 | 28 | 808. |  |  |  | 808 | 38 | 1 | 1 | 30 |
| 41. Azor Conference .............. | 3 | 2 | 1 |  | 6 | 19 | 440 |  |  |  | 440 | 37 | 2 |  | 47 |
| 42. Little Russian Conference. | 2 | 2 | 2 |  | ${ }^{6}$ | 19 | 588, |  |  |  | 583 | 33 |  |  | 30 |
| 43. Yolish Mission ................ | 1 |  | 3 | 1 | 5 | 3 | 104 |  |  |  | 104 | 8 | 2 |  | 7 |
| 44. West Russian Mission........ | 2 | 1 | 1 | 1 | 5 | 13 | 187 |  |  |  | 187 |  | 1 |  | -8 |
| 45. Miodle " "\% ........ | 1 | 2 | 3 |  | 6 | 6 | 84 |  |  |  | 84 | 9 |  |  | 7 |
| 46. White Sea Mission ........... | 1 |  | 1 |  | 2 | 4 | 26 |  |  |  | 26 |  |  |  |  |
| 47. Black Sea " |  |  | 3 | 1 | 4 | 13 | 295 |  |  |  | 295 | 9 |  |  | 11 |
| 48 Trans-Caueasim Mission... | 1 | 1 | 4 |  | 6 | 10 | 262 |  |  |  | 262 | 38 | 11 |  | 36 |
| Totals. | 16 | 13 | 30 | 10 | 69 | 188 | 3913 |  |  |  | 3913 | 255 | 26 | 1 | 243 |
| 49. Scandinavian Union. | 2 |  |  | 1 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 50. Scandinavian Union Dist... | 2 |  |  | 1 | 7 | 2 | 505 |  |  | 20 | 525 | 11 | 4 | $\stackrel{2}{2}$ | 15 |
| 51. Danish Conferenoe ........... | 1 |  | 8 | 1 | 14 | 20 | 615 |  |  |  | 61.5 | 10 | 5 | 2 | 17 |
| 52. West Norwegian Con. | 1 | 2 | 3 |  | 6 | 8 | 336 |  |  |  | 336 | 19 | ${ }^{2}$ |  | 17 |
| 53. East " " | 4 | 3 | 5 | 1. | 14 | 21 | 728 |  |  |  | 728 | 26 | 6 | 3 | 14 |
| 54. Swedish Couference... | 5 | 1 | 5 |  | 11 | 25 | 792 |  |  |  | 792 | 27 | 4 | 1 | 21 |
| 55. Finnish " | 1 | 2 | 5 | 2 | 10 | 8 | 202 |  | 60 | 16 | 278 | 50 | 16 |  | 62 |
| 56. North Swedish Mission | 1 |  | 2 |  | 3 | 2 | 37 |  |  | 11 | 48 |  |  |  | 4 |
| 57. South " ، | 1 | 1 | 2 |  | 4 | 4 | 99 |  |  | 34 | 138 | 5 |  |  | -25 |
| 58. Iceland Mission................ |  | 2 |  |  | 2 | 1 | 29 |  |  |  | 29 | 5 | 1 |  | $-15$ |
| Totals. | 17 | 15 | 35 | 6 | 73 | 91 | 3843 |  | 60 | 81 | 3484 | 153 | 38 | 8 | 100 |
| 59. British Union. | 4 |  |  |  | 4 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 60. British Union District........ | 3 |  |  |  | 8 |  |  |  | 25 |  | $\begin{aligned} & 351 \\ & 500 \end{aligned}$ | 38 | 7 |  |  |
| 61, South England Conference. | 3 | $\frac{1}{4}$ | 6 | $\frac{2}{4}$ | 12 | 14 23 | 7500 |  |  |  | $\begin{aligned} & 500 \\ & 747 \end{aligned}$ |  |  |  | -88 |
| 62. North | 2 2 2 | 1 | 5 | 2 | 16 | 23 7 | 731 |  | ( 16 |  | 747 262 | 38 | 9 | 1 | -1 |
| 63. Wales Conference. | .$_{1}^{2}$ | 1 | 5 | 2 | 10 | 7 | 198 | $8$ | 58 | 6 | $\begin{aligned} & 262 \\ & 168 \end{aligned}$ |  |  |  | -19 |
| 64. Scoteh <br> 65. Irish Mission | 1 2 | 3 | 3 | 1 | 8 | 4 | 108 |  | 18 | 5 | 168 126 | 5 | 2 |  | 8 |
| Totals | 15 | 13 | 28 | 10 | 66 | 59 | 2026 | 6 13 | 117 | 11 | 2154 | 87 | 18 | 1 | 95 |


|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 1. | 6670 |  |  |  |  |  |  | $757 / 78$ |  |  |  |  |  |  |  |
| 2. | 6670 |  | 461 | 39380 | 39837 | 26640 | 340 |  | 46 | 26 | 1206 |  | 19 | 1320 | 949 |
| 3. | 1609 |  | 344 | 9774 | 9774 | 4651 | 375 |  | 31 | 14 | 929 |  | 17 | 468 | 255 |
| 4. | 1989 |  | 183 | 27584 | 27534 | 8579 |  |  | 35 | 29 | 2957 |  | 38 | 1077 | 727 |
| 5 | 4169 |  | 4 | 23682 | 28688 | 193 |  |  | 51 | 11 | 2831 |  | 28 | 913 | 685 |
| 6. | 21.55 |  | 285 | 20297 | 20297 | 14005 | 610 |  | 47 | 39 | 2200 |  | 24 | 701 | 490 |
| 7. | 1711 |  | 3.53 | 12634 | 12631 | 65.65 | 84 |  | 40 | 21 | 1664 |  | 24 | 419 | 363 |
| 8. | 1253 |  | 301 | 10182 | 10182 | 47106 |  |  | 36 | 23 | 1817 |  | 21 | 425 | 326 |
| 9. | 1017 |  | 1769 | 7898 | 7896 | 22108 |  |  | 17 | 6 | 226 |  | 28 | 601 | 597 |
| 10. | 826 |  | $2 \cdot 11$ | 6247 | 6247 | 1701 |  |  | 19 | 8 | 1051 |  | 16 | 412 | 363 |
| 11. | 175 |  | 390 | 1254 | 1254 | 258 | 41 |  | 34 |  |  |  | 4 | 56 | 308 50 |
| 12. | 238 |  | 343 | 365 | 3355 | 176 |  |  | 25 | 1 | 70 |  | 1 | 14 | 12 |
| 13. |  |  | 146 | 2156 | 2156 | 1578 |  |  | 23 | 2 | 66 |  | 14 | 139 | 121 |
| 15. | 42 |  | 288 125 | 4104 | 4.04 | ${ }^{33}$ |  |  | 29 |  |  |  | 3 | 16 | 16 |
| 18 | 789 |  | 275 | 7906 | 7906 | 2830 |  |  | 26 | 1 |  |  | 5 | 29 | 6 |
| 17. | 47 | 30 | 526 | 278 | 278 | 101 |  |  | 38 | 1 |  |  | 8 | 268 | 242 |
| 18. | 31 |  | 347 | 279 | 279 | 9.57 |  |  | 187 | 1 |  |  | 2 3 | 11 | 11 |
|  | 23132 | 22 | 324 | 175954 | 175954 | 94438 | 1595 | 75 | 49 | 215 | 14184 |  | 255 | 6876 |  |
| 19. |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 20. | 2708 | 77 | 381 | 15.6 | 15166 | 9046 |  | 561 |  |  |  |  |  |  |  |
| 21. | 1391 |  | 344 | 10809 | 10809 | 4371 |  |  | 37 | 19 | 13869 |  | 13 | 319 | 481 205 |
| 22. | 1420 |  | 373 | 9250 | 9250 | 8498 |  |  | 47 | 19 | 1446 |  | 11 | 311 | 213 |
| 23. | 2848 |  | 869 | 24433 | 24433 | 15819 |  |  | 52 | 49 | 2623 |  | 37 | 863 | ${ }_{616}^{213}$ |
| 24. | 3117 |  | 314 | 21084 | 24084 | 12437 |  |  | 37 | 34 | 1610 |  | 23 | 1215 | $\stackrel{616}{795}$ |
| 25. | 1430 | 44 | 364 | 10270 | 10270 | 5712 |  |  | 41 | 8 | 682 |  | 12 | 378 | 296 |
| 26. | 1806 |  | 8107 | 14515 | 14515 | 8089 |  |  | 39 | 24 | 1966 |  | 23 | 543 | 266 372 |
| 27. | 1932 |  | 327. | 14221 | 14221 | 10924 |  |  | 42 | 30 | 2930 |  | 24 | 633 | 471 |
| 28. | 1509 |  | 346 | 15657 | 15657 | 11081 | 48 |  | 61 | 16 | 2149 |  | 20 | 523 | 471 |
| 29. | 1686 |  | 330 | 12787 | 12787 | 7860 |  |  | 40 | 15 |  |  | 14 | 584 | 366 458 |
| 30. | 2165 |  | 342 | 17620 | 17620 | 11467 |  |  | 46 | 18 | 1941 |  | 18 | 536 | 400 |
| 31. | 973 |  | 518 | 8120 | 8120 | 4913 |  |  | 68 | 4 | 260 |  | 12 | 178 | 160 |
| 32. | 1312 |  | 608 | 8843 | 8843 | 5485 |  |  | 66 | 6 | 265 |  | 14 | 210 | 160 |
| 33. | 421 |  | 309 | 4245 | 4245 | 1408 |  |  | 41 | 3 | 137 |  | - 6 | 110 | 172 |
| 34. | 625 |  | 271 | 4937 | 4937 | 1525 | 247 |  | 29 | 23 | 1968 |  | 9 | 197 | 183 |
| 35. | 317 |  | 291 | 4045 | 4045 | 262 |  |  | 39 | 1 | 2 |  | 7 | 116 | 109 |
|  | 25667 | 87. | 351 | 109002 | 199002 | 118891 | 295 | 56185 | 51 | 297 | 22090 | 50 | 262 | 7460 | 5459 |
| 36. 37. | 1021 | 02 | 292 | 148834 |  |  |  | 1734 |  |  |  |  |  |  |  |
| 38. | 901 |  | 199 | 18028 | 13028 | 2203 |  |  | 88 | 8 |  |  | 3 | 330 | 300 |
| 39. | 612 |  | -190. | 7326 | 7826 | 2846 | 258 |  | 34 | 9 | 883 |  | 11 | 351 | 300 |
| 40. | 426 |  | 53 | 8118 | 8118 | 1861 |  |  | 12 | 10 | 469 |  | 9 | 315 | 250 |
| 41. | 463 |  | 105 | 6555 | 65.55 | 9/46 | 238 |  | 18 | 1 | 15 |  | 28 | 1145 | 900 |
| 42. | 400 |  | 69 | 2330 | 2330 | 502 |  |  | 18 | 2 |  |  | 19 | 474 | 450 |
| 43. | 354 |  | 341 | 3075 | 3075 | 2080 | 52 |  | 05 | 8 |  |  | 19 | 569 | 500 |
| 44. | 203 |  | 109 | 1950 | 1950 | 793 | 155 |  | 15 |  |  |  | 3 | 106 | 90 |
| 45. | 316 |  | 377 | 1825 | 1825 | 321 |  |  | 15 | 2 | 22 |  | 13 | 272 | 250 |
| 46. | 31 |  | 120 | 414 | 414 |  |  |  | 16 | 5 | 27 |  | 6 | 84 | 70 |
| 47. | 239 |  | 81 | 3474 | $34 \mid 74$ | 342 | 188 |  | 13 | 2 | 60 |  | 4 | 31 | $\stackrel{20}{ }$ |
| 48. | 285 |  | 109 | 4170 | 4170 | 31 | 1.55 |  | 17 | 2 | 37 |  | 10 | $\stackrel{314}{571}$ | 550 |
|  | 5255 | 82 | 134 | 67099 | 67099 | 20813 | 1098 | 1734 | 23 | 47 | 2547 |  | 138 | 4558 | 3930 |
| 49. 50. | $\begin{array}{r} 17 \\ 1425 \end{array}$ | 43 | 271 | 12863 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 51. | 1099 |  | 179 | 154.51 | 15451 | 17133 | 297 |  | 45 | 21 | 5292 |  | 85 | 428 | 200 |
| 52. | 928 |  | 276 | 8797 | 8797 | 8454 |  |  | 51 | 21 | 5292 |  | 39 | 564 | 314 |
| 53. | 1351 |  | 186 | 15168 | 15168 | 10229 |  |  | 35 | 24 |  |  | 9 | 260 | 174 |
| 54. | 1243 |  | 158 | 12987 | 12987 | 14472 |  |  | 34 | 26 | 4465 |  | 50 | 487 | 408 |
| 55. | 671 |  | 242 | 89.05 | 8905 | 666 |  | 2334 | 43 | 22 | 1485 | 16 | 18 | 251 | 149 |
| 56. | 110 |  | 230 | 528 | 528 | , |  |  | 11 |  |  |  | 3 | 30 | - 25 |
| 57. | 282 |  | 175 | 2552 | 2552 | 10.41 |  |  | 27 |  |  |  | 14 | 103 | 75 |
| 58. | 18 |  | 65 | 726 | 726 |  |  |  | 25 |  |  |  | 1 | 17 | 14 |
|  | 7098 | 25 | 203 | 77977 | 77977 | 56932 | 297 | 2384 | 39 | 93 | 15916 | 26 | 165 | 2653 | 1815 |
| $\begin{aligned} & 59 . \\ & 60 . \\ & 61 . \\ & 62 . \\ & 63 . \\ & 64 . \\ & 65 . \end{aligned}$ |  |  | $\begin{array}{l\|l\|l} 3 & 90 \\ 3 & 44 \\ 3 & 09 \\ 2 & 31 \\ 4 & \\ 3 & 87 \end{array}$ |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 1720 |  |  | $\begin{array}{r\|c\|} 149 \\ 95 & 07 \\ 185 & 36 \\ 39 & 09 \\ 57 & \\ 61 & 97 \end{array}$ | 14945 | 3282 | 2461 |  | $58 \quad 9$ |  | 1321 |  | 9 | 294 | 250 |
|  | 2312 |  |  |  | 185 | 9289 | 1 |  | 47 | 40 | 3050 | 22 | 17 | 373 | 350 |
|  | 604 |  |  |  | 1850 | 9855 | 122 | $\begin{array}{r}4983 \\ \hline 98\end{array}$ | 38 | 82 | 7149 | 7 | 27 | 491 | 450 |
|  |  |  |  |  | 39709 | 3435 | 60 | ¢ 988 | 29 | 18 | 1067 | 40 | 10 | 259 | 200 |
|  |  |  |  |  | 57 | 3275 |  | 12169 | 126 | 34 | 50968 | 84 | 14 | 124 | 100 |
|  |  |  |  |  | 61.97 | 797 | 487 |  | 57 | 13 | 788 | 36 | 12 | 87 | 70 |
|  | 7166 | 45 | 332 | 58794 | 58794 | 29933 | 3130 | 17582 | 51 | 196 | 18485 | 25 | 89 | 1628 | 1420 |


| Name of Conference or Mission. |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 66. Latin Union. | 1 |  |  | 2 | 3 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 67. Latin Union District ........ | ${ }_{1}^{1}$ |  | 1 | 2 | ${ }_{4}^{4}$ |  |  |  |  |  |  |  | 4 |  |  |
| 68. Roman Swiss Conference.... | ${ }_{3}$ | $\stackrel{2}{4}$ | 8 | 1 |  | ${ }_{9}^{16}$ | ${ }_{142}^{629}$ | 8 | 17 |  | 646 | $\begin{array}{\|l\|l} 19 \\ 15 \end{array}$ |  |  | ${ }_{18}^{23}$ |
| 70. North French Mission ......... | ${ }_{2}^{2}$ | 4 | ${ }_{3}$ | 1 | 5 |  |  | $8$ | 31 |  | 31 | 8 |  |  | 8 |
| 71. Italian Mission ................. | 1 | 2 | 3 | 1 | 7 | 2 | 28 | 5 | 52 |  | 80 | ${ }_{9}$ |  |  | 8 |
| 72. Portuguese Mission........... | 1 | 1 | 1 | 1 | $\stackrel{4}{8}$ |  |  | ${ }_{2}^{2}$ | 45 95 |  | ${ }_{95}^{45}$ | 15 | 7 |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Totals. | 13 | 12 | 22 | 8 | 55 | 28 | 859 | 23 | 300 |  | 1159 | 78 | 11 |  | 85 |
| 74. Siberian Union Mission |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 75. Volga Mission................. |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | 279 |  |  |  |  |
|  | 3 |  | 2 |  | 5 | 13 | 250 |  |  |  | 250 | 21 | 2 | 5 | 10 |
|  | $\frac{1}{2}$ | 1 | $\frac{1}{2}$ |  | 5 | $\begin{array}{r}19 \\ \hline\end{array}$ | $\begin{array}{r}45 \\ 364 \\ \hline\end{array}$ |  |  |  | 365 | 31 | 2 | 8 | 15 |
| 79. Turkestan " | 2 |  |  |  | 2 | 6 | 121 |  |  |  | 121 | 4 | 2 |  | 10 |
| Totals. | 10 | 1 | 9 |  | 20 | 56 | 1059 |  |  |  | 1059 | 72 | 6 | 8 | 45 |
| 80. Levant Union Mission. |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 81. Armenian Mission............. | 1 |  | $\frac{1}{1}$ |  | 3 4 4 | 1 | 13 | 8 | 88 | 8 | 87 |  |  |  | ${ }_{2}^{2}$ |
| 83. Grecian " ............ | 1 | 1 |  | 1 | 3 |  |  | 1 | 4 | 7 | 11 | 2 |  |  | 2 |
| 84. Central Turkish Mission... | 2 | 3 | 2 | 3 | 10 | 3 | 112 | 8 | 79 | 1 | 192 | 2 | 1 |  | 3 |
| Totals. | 5 | 5 | 4 | 6 | 20 | 4 | 125 | 18 | 159 | 22 | 306 | 8 | 1 |  | 9 |
| 85 General Con. Missions. |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| 86. Persian Mission Mis......... |  | 1 |  |  |  |  |  | 1 | 2 |  |  |  |  |  |  |
|  | 1 | 1 | 1 |  | ${ }_{3}^{4}$ | 2 | 27 | 1 | 24 | 2 | $\stackrel{29}{29}$ |  | 2 |  |  |
| 89. Egyptian Mission............... | 2 | 1 | 1 | 1 | 5 |  |  | 3 | 18 |  | 18 | 1 |  |  | 1 |
| 90. Abyssinian " | 1 | 1 | 1 | 1 | 4 | 1 | 6 |  |  |  | 6 |  |  |  |  |
| 91. British E. African Mission. | 1 | $\frac{1}{3}$ | 3 |  | 5 | $\frac{1}{1}$ | 48 |  |  |  | 48 |  |  |  | $\stackrel{24}{7}$ |
| 93. Germ. Victoria Nyanza Mis. | 2 | 2 | 9 |  | 12 | 1 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Totals. | 9 | 10 | 19 | 4 | 42 | 6 | 195 | 5 | 44 | 2 | 241 | 33 | 2 |  | 35 |

## RECAPITULATION.

| 91. East German Union. | 35 | 38 | 63 | 7 | 143 | 94 | 4107 | 159 | 2960 | 63 | 7130 | 473 | 39 |  | 344 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 95. West " " | 43 | 39 | 80 | 5 | 167 | 63 | 3563 | 201 | 3591 | 148 | 7302 | 411 | 32 | 5 | 315 |
| 96. Russian Union. | 16 | 13 | 30 | 10 | 69 | 138 | 3913 |  |  |  | 3913 | 255 | 26 | 1 | 243 |
| 97. Scandinavian Union. | 17 | 15 | 35 | 6 | 73 | 91 | 3343 | 4 | 60 | 81 | 3484 | 158 | 38 | 8 | 100 |
| 98 British Union. | 15 | 13 | 28 | 10 | 66 | 59 | 2026 | 13 | 117 | 11 | 2154 | 87 | 18 | 1 | 95 |
| 99. Latin Union. | 13 | 12 | 22 | 8 | 55 | 28 | 859 | 23 | 300 |  | 1159 | 78 | 11 |  | 85 |
| 100. Siberian Union Mission | 10 | 1 | 9 |  | 20 | 56 | 1059 |  |  |  | 1059 | 72 | 6 | 8 | 45 |
| 101. Levant " " | 5 | 5 | 4 | 6 | 20 | 4 | 125 | 18 | 159 | 22 | 306 | \% | 1 |  | 9 |
| 102. General Con. Missions...... | 9 | 10 | 19 | 4 | 42 | 6 | 195 | 5 | 44 | 2 | 241 | 33 | 2 |  | 35 |
| 103. Gen. Con. European Office. | 2 |  |  | 3 | 5 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| Grand Totals, 2nd quarter 1912. | 165 | 146 | 290 | 59 | 660 | 539 | 19190 | 423 | 7281 | 327 | 26748 | 1570 | 173. | 23 | 1271 |
| Grand Totals, 2nd quarter 1911. | 142 | 117 | 246 | 62 | 567 | 51. | 18508 | 340 | 4977 | 234 | 23666 | 1397 | 230 | 8 | 1391 |
| Grand Totals, 2nd quarter 1910. | 137 | 99 | 237 | 44 | 517 | 516 | 17265 | 250 | 3217 | 248 | 20730 | 1109 | 163 | 11 | 861 |

We are sometimes inclined to look at numbers rather than to consider quality -we should not forget that the motto of the Christian ought to be not only how mach, but also how well. In attempting to build up a strong work that will stand the test of the judgment, we believe greater care should be exercised in seeking to properly select and train
the material which is to be put into the spiritual building. For this reason we should not neglect a careful study of the statistics given in this sheet from quarter to quarter.

The European Division received a larger number of new members in the second quarter of 1912 than for the corresponding time last year, although

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | $\begin{aligned} & \text { 言 } \\ & \text { 总高 } \\ & \text { 気 } \end{aligned}$ |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 66. 67. | 330181 | ${ }_{5} 51$ |  |  |  |  |  | 54 |  |  | 1 | 29 |  |
| 68. | 228653 | 354 | 23018 | 23018 | 119.02 |  |  |  | 6 | 139698 | 22 | 511 | 396 |
| 69. | 45022 | 222 | 3462 | 3462 | 35177 |  |  | 35 | 2 | 19679 | 19 | 178 | 137 |
| 70. | 7935 | 256 | 1087 | 1037 | 126 |  |  | 37 |  |  | 3 | 35 | 29 |
| 71. | 6701 | 184 | 1115 | 1115 |  |  |  | 14 |  |  | 4 | 68 | 36 |
| ${ }_{73}{ }^{2}$ | $\begin{array}{r}90155 \\ 126 \\ \hline\end{array}$ | 201 $1 / 33$ | 14 264 10 | 14.84 2610 |  |  |  | －33 | 5 | 1508．46 | ${ }_{6}^{2}$ | ［51 | $\begin{array}{r}30 \\ 117 \\ \hline\end{array}$ |
| 73. | 12678 | 133 | 2610 | 2610 |  |  |  |  |  | 150 |  |  |  |
|  | 343125 | 296 | 32726 | 32726 | 15605 |  |  | 42 | 13 | 310218 | 57 | 996 | 774 |
| $\frac{74 .}{75}$ | 108.69 | 39 | 2280 | 2280 | 114 |  |  | 10 | 1 | 548 | 14 | 357 | 300 |
| 76. | 13859 | 155 | 2455 | 2455 | 55 |  |  | 12 | 3 | 10673 | 13 | 309 | 250 50 |
| 77. | 12543 | 279 | 2090 | 2090 | 573 |  |  | 59 | 8 | 4601 | 4 | 68 | 50 |
| 78. | 41786 | 115 | 26.95 | 2695 | 377 | 1453 | 258 | 13 | 2 | 1665 | 19 | 469 | 400 |
| 79. | 11935 | 99 | 1826 | 1826 | 414 |  |  | 19 |  |  | 6 | 145 | 100 |
|  | 90992 | 86 | 11346 | 11346 | 2330 | 1453 | 258 | 14 | 9 | 17487 | 56 | 1348 | 1100 |
| $\begin{aligned} & 80 \\ & 81 \\ & 82 \\ & 83 \\ & 84 \end{aligned}$ |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |  |  | 1 | ${ }_{20}^{60} 61$ | 3 9 | 14 80 |  |
|  | 2503 | 29 | ${ }^{2} 23$ | 223 |  |  |  | 98 | 1 | 2381 5809 | 2 | ${ }_{8}^{8}$ | 8 |
|  | 14083 | 73 | 467 | 467 | 272 | 1475 |  | 12 | 4 | 12063 | 11 | 175 | 160 |
|  | 16586 | 54 | 690 | 690 | 350 | 2740 |  | 12 | 7 | 26233 | 25 | 278 | 248 |
| 85868788899099298 |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|  | 10357 | 357 | 1470 | 1470 | 797 |  |  | 78 | 2 | 3635 | 3 | 29 | 25 |
|  | 4429 | －184 | 2671 | 26.71 |  |  |  | 111 |  |  | 1 | 22 | 18 |
|  | 6989 | 388 | 1184 | 11884 | 631 |  |  | 101 |  |  | 4 | 19 | 17 |
|  | 3106 | 518 | 238 | 238 | 265 |  |  | 84 |  |  | 1 | ${ }^{6}$ | 6 |
|  | 7291 | 143 | 468 | 468 | 320 |  |  | 15 |  |  | 1 | 11 10 | 11 10 |
|  | 9765 | 542 | 1125 | 1125 | 1395 |  |  | 140 |  |  | 1 | 13 | 13 |
|  | 41937 | 172 | 7156 | 7156 | 3408 |  |  | 43 | 2 | 3635 | 13 | 122 | 102 |

RECAPITULATION．

| 94. | 2313222 | 324 | 175954 | 17595 | 94438 | 1595 | 757 |  | 49 | 215 | 14184 |  | 255 | 6876 | 5213 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| 95. | 2566787 | 351 | 199002 | 199002 | 118891 | 295 | 56118 |  | 51 | 297 | 22090 |  | 262 | 7460 | 5459 |
| 96. | 52558 | 134 | 67099 | 67099 | 20813 | 1098 | 178 | 34 | 23 | 47 | 2547 |  | 138 | 4558 | 3930 |
| 97. | 709825 | 203 | 77977 | 7797 | 56932 | 297 | 23 | 34 | 39 | 93 | 15916 |  | 165 | 2653 | 1815 |
| 98. | 7166145 | 3132 | 58794 | 5879 | 29933 | 3130 | 175 |  | 51 | 195 | 18485 |  | 89 | 1628 | 1420 |
| 99. | 3431.25 | 296 | 32726 | 3272 | $156 \mid 05$ |  |  |  | 42 | 13 | 3102 |  | 57 | 996 | 774 |
| 100. | 909192 | 86 | 11846 | 1134 | 2830 | 1453 |  | 58 | 14 | 9 | 174 |  | 56 | 1348 | 1100 |
| 101. | 165186 | 54 | 690 | 690 | 850 | 2740 |  |  | 12 | 7 | 262 |  | 25 | 278 | 248 |
| 102. | 41937 | 172 | 7156 | 71.50 | 3408 |  |  |  | 43 | 2 | 36 |  | 1.3 | 112 | 102 |
|  | 7324701 | 274 | 630744 | 63074 | 3427 | 10608 | 1538 | 71 | 43 | 879 | 76799 | 46 | 1060 | 25909 | 20061 |
|  | 5951644 | 252 | 513662 | 5112 9 | 233838 | 5844 | 5962 | 43 | 57 | 611 | 60640 | 77 | 939 | 22452 | 18140 |
|  | 5119399 | 247 | 430556 | 46365 | 175783 | 9808 | 762 |  | 35 | 489 | 57025 | 17 | 831 | 18723 | 14000 |

the net gain was 120 less．This loss is accounted for as follows：the German Unions combined received 188 more members this quarter than the same time in 1911，yet their united net gain is 17 less；the Russian and Siberian Unions took in 62 less and have a net gain of 168 less；the Scandinavian Union had a gross gain of 45 members more，but their net gain is 11 less；the

British Union had seven more additions， and its net gain is 16 more；the Latin Union accepted 49 members more into the church，and their net gain is 48 more；the Levant field took in 3 less， and their net gain is 4 less；in the General Conference Missions 5 more were received into the church，and the net gain amounts to 35 this quarter，or 16 more than in the second quarter of 1911.

# REPORT OF THE EUROPEAN DIVISION OF THE GENERAL CONFERENCE. 

Second Quarter, 1912.

This report is published quarterly by the European Division of the General Conference and will be forwarded post free on annual payment of the sum of 25 cts.; Mk.1.-; 1/-; 50 Cop.; 90 ore ; 1.25 Frs.; 75 Heller. All subscriptions should be forwarded to Miss A. Küssner, Grindelberg 15a, Hamburg. Kindly write name and address distinctly.

## East German Union.

WHEN we look back upon the second quarter, we must truly thank the Lord for His many mercies. Our gain by baptism was 473 , and by vote 39 , making in all 512 . Subtracting the loss through death, apostasy, and removal, there remains a net gain of 344 , making a net gain of 555 members for the first six months of this year.

Another event we may be glad of is the organization of a new union. The rapid development of the mission fields which are worked by our union made another division necessary, and so we had a meeting for this purpose from July 9 th -14 th in Budapest, the capital of Hungaria. Twenty-eight delegates were present from the Transylvanian and Middle Huagarian Conferences and from the North and West Hungarian, Theiss-Save, Adriatic, Bulgarian, and Rumanian Mission Fields. The meeting was held in a tent; about 250 of our own people were presentand the eveaing lectures were well attended from outside.

Under the leadership of Elder Conradi, the 1,600 members and fifty workers of those fields were organized into the "Danube Union," Elder J. F. Huenergardt being elected president.

May the blessing of the Lord accompany the efforts of the workers among the thirty-five million people, with their eight different languages, that many souls will be ready when Christ returns. H. F. Schuberth.

Beginnings in Hungary. - Very few people know the great importance of the little things in life, and especially is this the case in the work of the Lord. The Master said to the faithful servant: "Well done, . . . thou hast been faithful over a few things, I will make thee ruler over many things." Matt. xxv. 23. To the mind of the superficial thinker small things are of no great importance. He does not realize that infinity is composed of small things, and there could be no great things if there were no small things.

As to our experience in the work of the Lord in Hungary, we have very often realized the truthfulness of this principle. At the very beginning a. small incident led to the entrance of the truth in that country. Someone simply stated that there were people keeping the Sabbath in Hungary. This bare statement led one of our leading workers to goand investigate the truth of this. By means of this missionary trip a leading German family accepted the truth, who in turn convinced a Hungarian of the binding claims of the law of God. And this Hungarian was used as an instrument in the Lord's hands. to win a number of his countrymen to the Message. When I arrived in Hungary in 1898, I found that this small effort was the commencement of a number of companies in Transylvania where the Sabbath truth had been known during the latter part of the sixteenth century, and where there have been. thousands of Sabbath-keeping Christians.

Our work in Hungary has been somewhat retarded by the fact that so many different languages and nationalities are represented here. In addition to the Hungarians and Germans, there are the Slovaks, the Rumanians, the Servians, and the Croatians. In the propagation of the Message little things have helped us to conquer very great language diffi-

Firit Mebting of the Danube Union, Held in Budapest, July 9-14, 1912.
culties. We will refer to some of the simple things that led to the spread of the Message among these various tongues.

While labouring in the city of Arad, we met an old Rumanian Christian, who was able neither to read nor to write his language. Being very conscientious, he
once asked his preacher to be so kind as to read Sunday for him out of the Bible, remarking that he had always heard him read the seventh-day Sabbath. The clergyman frankly and innocently replied: "I am not able to read the Sunday out of the Bible, I find only the Sabbath mentioned." To this the old man replied: "If that is the case you will pardon me if I hereafter keep that day which we can read out of the Bible." This aged man was the first Rumanian who accepted the Sabbath truth. He would go from house to house asking his friends to take his Bible, in which the leading texts referring to the Sabbath truth and the second coming of the Lord were marked, and read them to him. He would then in simple language explain to them the solemnity of our times. The result is that to-day the work is developing nicely indeed among the Rumanians in Hungary, about 250 of whom are in the Message.

I will give another incident showing how the work was started among the Servians. Several years ago a German baker began keeping the Sabbath in South Germany. He closed his shop, and placed a notice in his window stating that his shop would be closed from sunset Friday evening till sunset Saturday evening. This interesting incident caused the daily papers to comment. Some of the Hungarian papers copied this comment, showing how a baker had been so foolish as to close his business on Saturday, the most important business day of the entire week. This comment fell into the hands of a Hungarian Jew in a small Servian village on the southern border of Hungary. The Jew told an acquaintance, a Servian, what he had read about the baker who had begun to observe the seventh-day Sabbath. The Servian was an honest Bible student and soberly meditated on the matter until be was finally convinced to keep the Sabbath,even though he might be the only Sabbath-keeper in Hungary. Then he wrote a letter to Germany, and asked for more information concerning the Sabbath. He was referred to Hamburg. The letter somehow did not
reach its destination, but the man did not get discouraged. He wrote to the Budapest branch of the British Bible Society, and in this way secured my address. After that I received a long letter in the Servian language kindly asking for all the information concerning the Sabbath and the commandments of God. We were able to send a young man to them. soon afterwards, who could speak Servian and instruct them more fully, and lead them out into the truth. We now have twelve companies of Servians, eleven of which are in Hungary, and one in Servia proper, with a membership of 150 . Their quarterly paper has a circulation of 7,000 , and they expect the next edition to be 10,000 .

Although these brethren are simple in their habits, yet they are very intelligent in contending for the faith once delivered to the saints, as the following incident will show: one brother formerly a Nazarene, told of how he came to accept the truth. It happened as follows. The man was called upon by the priest, and invited to pay his regular church tax. This he declined to do on the ground that he no longer belonged to the flock of the priest. However, the priest said: "Even if you do not come to the church, you are a member of my congregation, because you are holding fast to those principles which brought the churcb into existence. As long as you keep Sunday you are my sheep, and I have a right to shear you. If you want to get free from us, you must at once become an Adventist, and keep the Sabbath, because we have nothing to do with the Sabbath. Then I will leave you alone." The man did not reply, but he went home deeply thinking over what the priest had told him, and soon took his stand for the Third Angel's Message.

Next quarter I will give incidents showing how the Message got a start among the Croatians and Slovaks.
J. F. Huenergardt.

Our First Thnt Efforts in Hun-GARY.-Our brethren all know how the tent work first began in America,
and then spread to England and to the Continent, in Switzerland, and Germany, and France. We had perfect confidence that if the tent work was a success in all other countries, it would surely prove to be the same in Hungary. After mentioning the subjectourbrethren in the East German Conference donated a tent to our Hungarian Mission in 1911. When this tent arrived the customs officers stated the duty would be 600 crowns. As we had already made preparations to pitch the tent in New Pest, near Budapest, and had also secured permission from the police, and had advertised our meetings, we were obliged to pay this sum ; but we turned to the highest authorities in the customs office and kindly requested them to consider the situation-that we were not a money-making concern, and were doing strictly missionary work. He at last decided in our favour and the money was kindly returned to us.

The tent was pitched, and our meet. ings were well attended. The people took the new situation very quietly, and we can truly say that we were not in the least molested during the wellattended meetings. Now after having permission for the first time in the first instance, we are glad to say that the authorities most readily gave us permission to pitch our tents wherever we desire to do so. We are grateful to the Lord that our first efforts in this respect have been crowned with success. Brother Captain Christiansen, formerly of the "Pitcairn," is now with us, manufacturing four new tents for our fields. J. F. Huenergardi.

## West German Union.

IT is with great joy that we look back upon the quarter just past, when we consider the blessings which the Lord has so bountifully bestowed upon us. God has so wonderfully helped the endeavours of His servants that we were enabled to take 411 souls into the church by baptism and thirty-two by vote.

The tithe has risen to $\$ 25,660$, or
$\$ 520$ more than last quarter, for which we especially thank the Lord. The prospects in the whole Union are very promising, and we have every reason to believe that we shall have still greater results in the future. The Lord prepares the way in new localties, where the work is being taken hold of with success. In the mission fields also, where the work has to struggle more or less with especial difficulties, is the power of God making itself manifest. Even in the State church our success and progress is making itself perceptible, and they are beginning to fear that we might get too strong. A State church pastor once said to a man who had gone to him in order to request him to please do something to drive away the troublesome Adventists: "My dear sir, it is too late already, for the Adventists have grown to such an extent that we cannot do anything more against them." Thanks be to the Lord that even the enemies of the truth at last acknowledge that the hand of God is in this work.

May the work of the Lord not only become more known in the West German Union, but everywhere! May it grow and flourish until it reaches complete maturity is our prayer.
J. G. Oblender.

## Russian Union.

Notwithstanding the many difficulties attending our work, the last quarterly report shows that there were 281 additions in the Russian Union, bringing our membership almost up to four thousand. Very few were dropped from the list. There has recently been a special circular issued by the Government against the Baptists and Adventists, calling the attention of the governors to the work we are doing, and stating that we go from city to city and village to village making propaganda, and that the authorities should especially see that the laws concerning our work are rigidly enforced. This of course means for the workers and the churches nothing less than more rigorous persecution; we therefore
earnestly invite our people, who are to become more and more a people of prevailing prayer, to pray God to so overrule the counsel of man that even this will be so orerruled as to work for the adrancement of the cause. The labourers are of good courage. Our churches are praying to God for strength in the coming time of trouble. We know that the day of delirerance is at hand.

We hope the changes which were made at the Spring Council, and which have been taking effect during the quarter, may bring new liie and energy into the field. We have also seen the providence of God working in our behalf concerning our headquarters at Riga. As all know, the depository was closed, but God has shown us a way by which we could work right along and not even lose one day. It is our desire to see the Gospel message spread through our literature. A number of canvassers have had their books taken away from them, and been imprisoned. But like good soldiers for Christ, when they are released they continue their labours. The time may come when even this branch of the cause will also meet with greater obstacles than ever before, but we know that this is God's work, and it is our desire to see it triumph.
J. T. Boetticher.

## Scandinavian Union.

The Lord is blessing us, and is working for us. We are all of good courage. The second quarter of the present year has been the best we ever had. One hundred and fifty-three have been baptized, and thixty-eight have been added by vote, a total of one hundred and ninety-one, as compared with one hundred and forty-six during the same quarter of last year. The tithes and gifts have also increased. Our book sales are going on encouragingly, and the same is true of the medical work. The Skodsborg Sanitarium never had such a large patronage as it has during this season, and the Spirit of the Lord is working upon hearts. It is most interesting and encouraging to notice
the interest with which the patients are watching our work.

The work in Iceland, which for some years has been at a standstill, is now beginning to make some headway. Six dear souls have recently joined the church at Reykjavik, and others are very interested. An edition of "Christ Our Saviour" has just been printed, and Brother Nils Andersson, who has been doing real pioneer work in that island, is now busily engaged in selling this book. The other day he took nine orders in a workshop.

We are making special plans for the coming school year, trusting that we may succeed in working up a special interest for this branch. Scandinavia is a most excellent field for missionary efforts. But we need more workers who can go out in the fullness of the Spirit to accomplish a work in the great harvest field, winning souls for the kingdom of God. Our constant prayer is for the Lord of the harvest to send workers into the great field.
J. C. Raft.

## British Union.

We are glad to be able to report progress for the second quarter of 1912. 112 persons were received into our churches. The net gain was 96 . During the quarter about a dozen very encouraging public efforts were being conducted. It appears that at the end of the quarter there were at least 150 new Sabbath-keepers yet unbaptized. We are trusting that many of these will go forward in baptism before the close of the third quarter.

Though the tithes and regular offerings to missions showed some increase. as compared with those for the second quarter of 1911, yet it was apparent through the quarter that our churches in many parts of the kingdom were feeling the unfavourable effect of the national coal strike which so seriously influenced all business and trade earlier in the year. We are hoping for a strong rally in finances before the end of 1912.

The canvassing work was very pros-
perous during the quarter. A large number of students, who entered the field at the close of school late in May, had done so well before the end of June that they were assured of sufficient money to pay all their expenses while attending the school the coming year. Several of the most successful in less than a month had won their scholarships. For a canvasser to save $\$ 100$ or more in less than a month is doing well.

The sanitariums, both at Caterham and Stanborough Park, were blessed. The former was fairly well filled with patients during the months of April, May, and June. The latter during that time was preparing for its formal dedication and opening on July Brd. We expect to be able to report a fair volume of business done by the Stanborough Park Sanitarium during the third quarter of this year, and the first quarter of its history.

When we present ${ }^{\text {tour }}$ report for the third quarter we shall have something to say concerning the Union Conference Session held from August 1st-6th. Our people and workers are earnestly hoping that we may be able to report substantial progress from quarter to quarter. We wish the same for all the unions. W. J. Fitzgerald.

## Latin Union.

We are very sorry that thus far the Latin Union president has not had the time to send us a brief report from his field for the first half year of 1912. But we feel sure that our readers will all rejoice with us in recognizing the evident tokens of the blessings of God with our workers in that union, for the quarter just closed has proved to be their best. They have gained nearly twice as many new members during the second quarter as in any previous quarter. The Spirit of the Lord seems to be specially stirring up the hearts of men within the Latin Union. Workers report many incidents that indicate the direct leading of God in bringing them into touch with those who are interested about their soul's salvation. We
should all greatly rejoice at the indications of God's leading hand in this field, which is mostly Catholic. The experiences of Brother Bond, as given below, are similar to those met with by the other workers, some of which we hope to present in the future.

One problem still remains to be settled -that of the development of the canvassing work. Our school at Gland is full; the sanitarium has been more than full, insomuch that a number of people had to be refused entrance. The Latin Union is greatly in need of a number of consecrated young workers who have the faith and the courage to wrestle with hard and unsolved problems and come out victors through the help of God. Surely among the many intelligent young people of our French-speaking countries God will find many who will respond to the great needs of the hour.

Experiences In Spain. - In our part of the field we are carrying on operations in the cities of Murcia and Cartagena. Murcia, the capital of the province of the same name, has a population of about one hundred thousand, and is the centre of one of the most fanatical strongholds of Catholics in the kingdom. The people are engaged chiefly in fruit-growing and the culture of the silk-worm. Our work in Murcia was begun a year ago last autumn by a Bible worker who went from house to house with literature, finding an entrance for Bible readings. There was but little progress during the first year, as only two persons accepted the Message. Brother L. Nicolás continued faithfully at his post, in spite of many difficulties, until now quite an interest has sprung up. In connection with his Bible readings and the distribution of literature, he conducts two evening meetings and Sabbath services in his home each week. During the latter part of last March I was granted the privilege of baptizing three new believers in Murcia, and on June 15th four more were able to unite with us in the same manner here.

Of these two were formerly very devout Catholics. They are mother and daugh-
ter. Their uncle, a Catholic priest, had the custom of calling on them every day, and when our worker began studying with them, they asked their uncle for his Catholic Bible. From that time on this Bible was well used in their Bible studies. Notwithstanding all the efforts of the priest to prevent their seeing the Message, when they perceived that his Bible so plainly supported this truth, they were compelled to obey. In the midst of all the opposition brought against them by the unbelieving husband and father, and other relatives and friends, they have remained true. Thus God's Word, the sword of the Spirit, whether it be a Catholic or some other version, is gathering out a people that will be obedient to all His commands. During the past few weeks, since I left Murcia, others have offered themselves for baptism.

Next quarter we will tell of experi--ences in Cartagena. Frank Bonp.

## Siberian Union.

Brethren Conradi and Dail met with Brother Boettcher and the Siberian Union Committee in Saratow, June 1st-4th. It was a great pleasure to be present with Brethren G. Perk, F. Ginter, H. K. Löbsack, J. Ebel, E. Gnädjin, and spend the time in counsel and prayer. Severalimportant changes were made.

Brother G. Zierat, who had been labouring in the Caucasian field, was ordained to the Gospel ministry, and has been transferred to the Central Asiatic field, where he will assist Brother Ebel in Samarkand and Tashkend. Brother H. Göbel, after his ordination, was transferred from the Ural to the East Siberian field, in the neighbourhood of Vladivostock, not far from the Pacific Union and near to the border of China. He will assist Brother Gnädjin. In extent of territory this field is about as large as Europe, and travelling here, as in other parts of Siberia, is attended by many difficulties. The distances are great, and the accommodations are poor, and we should not forget our dear
workers and brethren in these distant parts, who have to put up with so many inconveniences in their efforts to help the people. Brother H. Ostwald was likewise ordained, and continues to assist Brother Ginter in the Ural field.

Oneyoungman of Charbin, Manchuria, was recommended to attend the Friedensau school, and another brother in the Ural field was also accepted as a student. This problem of securing more labourers is a burning issue among our Russian brethren, where the territory to be covered is so enormous, and the difficulties of coming into close touch with our brethren are so great. As the reader will see on consulting the statistics, the Siberian Union had a net gain of forty-five for the second quarter.

The brethren of the committee rendered special thanks to the German and American believers for the help they had given the Siberian Union during the recent famine. We are sorry that in certain districts it appears there will be a repetition of either a poor harvest or no harvest at all this year. In spite of all these things, the work in the Siberian Union is onward. Let us not forget to pray for our workers there.

## Levant Union Mission.

The Students at Work.-Our Levant school closed on May 1st. The school has been held from Nov. 1, 1911, till May 1, 1912. This is the first time that we have been able to send so many workers to the field. The students have been distributed in the Levant field as follows :-

Armentan Field.-Brother Megerditch has gone out as a colporteur, and is canvassing the cities of Mersivan, Amasia, Tokad, and Sivas, with good success.

Cilician Field.-Brother Anastas has been working as a canvasser and a Bible worker in the villayets of Konia (Acts xiv. 9), which was called the district of Lycaonia at the time of the apostles. He is now on his way to Antioch and Pisidia. He reports good success in the canvassing work, and
has found quite a number of interested people. He says that he is selling there without fear the Turkish tracts which they were afraid to sell in Constantinople. One man has already accepted the truth in Akshehir, formerly called Antioch. Acts xiii. 14. Brother Apovian, another canrasser, has been placed in the Cilician field, and is at present at Alexandrette. He will soon be on the way to Antioch, Syria, where the first believers in Christ were called Christians. Acts xi. 26. He will go by way of Aleppo.

Grecian Field.-We could supply one canvasser also for this field. Brother Savvas, a Greek by birth, was ready to answer the Macedonian call, and he is working at present with good success in Salonika.

Central Turkish Field.--We have sent Brother Dicran, our first mative colporteur, to thisfield, to the border cities on the Black Sea, formerly called Pontus, Paphlagonia, and Bithynia. He has been having very good success and has found quite a number of entrances in presenting the truth, apart from his canvassing. Brother Horsep has been sent as canvasser and Bible worker to Brussa, which was the former capital of the Ottoman Empire, before Constantinople was invaded. It has about 80,000 inhabitants. Besides the Sabbath meetings, he holds two other meetings in the week. Brother Nazikian has been placed as canvasser in the chief city of the former district of Cappadocia, namely Kaiserie. He also reports better success than he had before.

Brother Melchiori, who had faithfully worked in Constantinople for two and a half years, was ready to follow a call to the Italian part of the German Swiss Conference.

Brother Carabed and Brother Apcar have been appointed for translation and secretarial work, while Brother Aram and Sister Araxi are helping Brother Voigt in the Tract Society. Sister Miriam and Sister Satenic are preparing themselves for taking up school work among our churches.

We are glad that ninety per cent of
our school students are engaged directly in field work. For lack of success two brothers have taken up their former trade.

We are surely glad to see that the seed of the everlasting Gospel is again being spread in four different languages: Turkish, Armenian, Greek, and Arabic, in the region where it shone so brightly two thousand years ago. Although it is forbidden the Moslems to read Christian tracts, the workers report that they cannot withstand reading them.

The canvassing is the most important work which must and can be done at present. We would like to see all the places where the apostles once laboured again enlightened with the pure Gospel trath.

May the Lord preserve all our workers. in good physical and spiritual health, that this work may progress successfully.
E. Frauchiger.

## General Conference Missions.

Persian Mission.-Brethren Conradi and Dail were in Persia from June 13 th to June 24 th, and they were able to spend three days with Brethren Oster and Dirksen at Urumiah. These were busy days, the time being fully accupied with counsel, study of the Word, visiting friends and missionaries, and receiving calls from those who came to see them.

They found our two workers there hard at work, and by the manner in which they could use the Turkish (which is the leading language of the province in which Urumiah is located), they showed that they had been diligent. in improving their time and opportunities. As there are a number of native Nestorian or Syrian Christians in Persia, it was felt that it would be well for Brother Dirksen to devote much of his time in the immediate future to a study of modern Syrian, as $\pi$ ell as the Turkish, while Brother Oster will give special attention now to the Parsi, the language of the educated Persians. In this way the two brethren will be able
to master the three languages required for successful work in that field, the Turkish, the modern Syrian, and the Parsi.

The Presbyterian missionaries were very kind to the visiting brethren, and it is felt that the interview obtained with these missionaries will be of benefit in the future, and it is hoped that a brotherly spirit will characterize us as Christians in our relation one with another. Special pains were taken to show the missionaries who had been labouring there so long that we would not try to win any of their members from them by offering a premium to them, but that if anyone was really convinced of the message we brought, then it would of course be only right that such ones be granted liberty to follow their conscientious convictions. Brethren Conradi and Dail were pleased to hear the upright Christian character of our two workers fayourably commented upon by the missionaries of other societies. It is hoped our readers will not cease to pray for these workers, that in the near future they shall have so learned the languages of the country that they can successfully present the Third Angel's Message, and thus have fruit for their earnest labours.

Syrian Mission.--"I am now here in the mountains, and held the first meeting last night. My room was crowded, and the people stood even as far as the table, and the stairs were full also. I spoke about the importance of prophecy, especially for our time. I have had to buy some straw mats, and most of the people sit on the floor. God grant that some of these souls may take their stand for the truth. Ramallah, where I am now living, is about fifteen kilometres from Jernsalem, on the road to Sichem. It is said that it was about here that Mary and Joseph missed Jesus, and returned to look for Him. The Quakers have been working here for sixty-five years, and have a church of seventy-five adults. They also have some schools with about 350 pupils. The Church of England and Roman Catholics are also here, but the majority
of the people are Greeks. But I trust the spirit of truth will grasp many here and glean out the upright in heart.
"At the present time an Indian selfsupporting missionary is here from Jerusalem, who is keeping Sabbath. He intends to open up a school among the Greek Jews in Jerusalem. He used to be a heathen and belongs to the better class. We are studying the various points of our truth together, and he agrees with every thing except joining the church. May God grant that he will yield himself fully to the truth!"

## F. Gregorius.

British East African Mission.Brother Morse writes: "I hope soon to be able to write of a start made on a new station. I will be doing so as soon as the Government grants it. Brother Baker and I visited the site about June 20th. The chief and all his people want us to come, and we are anxious to go, for it is a good country with many people. The latter are, of course, what we want most. I am anxious to go to this part, although I know there will be much heavy work with the building. A couple of years and this will be finished, then the work of instruction can go on unhindered."

We are also very happy to be able to report an addition of twenty-four souls, won from the dark heathen world, who have now taken their stand on the side of the Master in this field, and were baptized during the quarter.

Pare Mission.-Seven natives, who have been instructed by our brethren in the Pare district of East Africa for some time in the past, took their stand this quarter, and were buried with their Lord in baptism. The work is also growing larger, but from the reports received the brethren are all well and happy in their work. Brother Kotz wrote us a note: "Just on my circuit trip, and arrived yesterday in Vunta, and we have just held a lantern lecture, at which several hundred persons were present. The new lantern-pictures prove very fascinating. Since I intend to visit (D.V.) all the stations, this journey will necessitate two and a half
weeks' travelling; thus we see how the work is growing."

Victoria Nyanza Mission.-A letter from Brother Munzig, who went out to this field in the spring, contains the following: "I am very glad to be able to report that I like it very much here, and that the existing conditions seem to suit me perfectly. The building of the Nyabangi station is making rapid strides, so that I shall not stop here much longer. Nyabangi is very prettily located, with a glorious view of the lake. Unfortunately the presence of mosquitos, which make themselves unpleasantly active in spite of the high altitude,
somewhat spoils this good effect. It is probable, however, that after the bush in the vicinity of the station has been destroyed, and the water holes round about filled up, that these unwelcome visitors will largely if not entirely disappear, so that Nyabangi will then be one of the nicest stations in the Nyanza territory. My fature field of labour will probably be in Usukumu, among the Wasukumu people, which tribe is scattered over the land east and south-east of Muanza. Since there is some literature in their language, we have no great difficulty to meet after we have learned the language. It is a glorious privilege to be able to work out here for the Lord."

## European Meetings.

SINCE the number of organizations in our division increases so rapidly, the conference meetings must correspondingly become more numerous. It is becoming almost impossible to appoint Danish Conference and Scandinavian Union..... Norway Conference..........................................
Sweden Conference.....................................
 Siberian Union...................................................................................................................................................

W. German Union.

British Union and N. England.
Latin Union and Roman Swiss
German Swiss.
Southern France
Spain
Bohemia.
Moravia-Silesia
Austria.

## Rumania

Transylvania
the meetings at different times, for they would then not all go into the year. For this reason several must be held simultaneously. The meetings that have been held and appointed are as follows:
Copenhagen....................... April 29-May 5.

Bergen ............................. May $7-12$.
Helleras .......................... May 14-19.
Tammerfors ...................... May 21-26.
Saratow .......................... May 30-Jume 3.
Urumiah ............................... June 16-21.
Amsterdam ....................... June 19-23.
Brussels.................................... June 25-30.
Nadj-Kikinda...................... July 5-7.
Budapest ............................ July 9-14.
Friedensau......................... July 19-28.
Birmingham ...................... Aug. 1-6.
Lausanne................... ...... Aug. 9-14.
Basel ................................. Aug. 14-18.
St. Hippolyte...................... Aug. 21-25.
Barcelona........................... Aug. 29-Sept. 1.
Reichenberg ......................... Sept. 4-8.
Teschen ........................... Sept. 11-15.
Vienna ................................ Sept. 18-22.
Ploesti ............................... Oct. 23-27.
Klausenberg............................. Oct. 30-Nov. 3.

Winter Meetings.


Brother Scior (Grecian Mission). -" I am compelled to call to you to-day from Macedonia: 'Come over into Macedonia and help us.' In Stromnitz many are interested, and there are seven Sab-bath-keepers there; six hours by foot farther on is a larger village, where fifteen souls are ready; then fifteen minutes farther on from this village is another, where ten Protestant families very urgently beseech us to teach them, and another Sabbath-keeper went over to the Servian border on account of the illness of his father, where there was another of like faith. I am quite sure that the number of believers will double at least if we can only get someone who can speak to the Bulgarians. There are more Bulgarians in Macedonia than Greek-speaking people. The American Mission has many churches among the Bulgarians, but wherever I go I find a great deal of disunion among them. The Armenian doctor, Garabat, spoke of the Sabbath question three or four years ago to the local Bulgarian churches, but without result. He has sown the seed, and we must harvest now. The American Mission at once withdrew the ministers from these churches, and so they are without any leadership. I could only speak by having what I said translated into the Turkish, for they all understand Turkish, whereas only a few Greek, and if women were there it had to be translated again into Bulgarian. A Bulgarian worker is badly needed here to labour among these simple people. Immediate help is neecssary, for I cannot be in four places at once."

Brother Frauchiger writes: "I returned yesterday from my journey to Brussa. We had very good meetings there, which were also well attended by outsiders. I have great hopes for this town. Both the Protestant ministers in the town were present at different times in my meetings. A young sister, sixteen years old, who desires to be baptized, but who has been persecuted by her mother on account of the truth, I brought with me to Constantinople to baptize her. She still goes to the American school. The condition of the

Governmentwas never in such confusion as now. It was expected yesterday on the occasion of a national celebration that a revolution would break out, and precautions were taken against it. But we are glad that the Government became master of the situation. Who knows what the next excitement will be? One lives here in continual dread of what the future will bring."

Do you read the "Sabbath-School Worker" regularly? If not, you are missing a lot of helpful suggestions in the study of the Sabbath-school lessons, as well as important hints on how to make the Sabbath-school more interesting and instructive. We would warmly recommend those who read English not to neglect to become regular subscribers to the "Sabbath-School Worker." For sample copies drop a post card to "Sab-bath-School Worker," Takoma Park Station, Washington, D.C., U.S.A.

Eleders Boettcher and Dail assisted at the Norwegian and Swedish meetings held in May. Elder Conradi was prevented from attending on account of his having contracted a severe cold. We are glad to say that he fully recovered after having had two weeks" treatmentin Skodsborg. Elder Boettcher also attended the Finnish meeting.

Elder J. C. Raft and Brother E. Arnesen visited the Iceland Mission at Reykjavik (means" Smoke Town ") daring the second quarter. We trust this visit has been the means of giving the work there a new impetus, and that the message in that far-away isle may find its way into the hearts of the Icelanders.

From a letter from Brother Badaut, of the North African Mission, we learn that he has also been able to baptize one soul there, and the membership of that mission has been further augmented by the addition of one member by vote.

Brother Diriken, of Persia, writes that he has had the privilege of speaking several times in a Jewish synagogue in Urumiah, and has received invitations to speak in others.

[^0]
[^0]:    frhmeu for The European Division of the General Confexence by The International Tract Society, Ltd.,
    Stanborough Park, Watford, Herts, England.

